

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग

(Uttar Pradesh Subordinate Services Selection Commission)

प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (UP PET 2026) — अभ्यास प्रश्न पत्र

विषय: सामान्य हिंदी

अभ्यास सेट संख्या — 1

कुल प्रश्नों की संख्या	15
कुल अंक	15
समय अवधि	15 मिनट
नकारात्मक अंकन	प्रत्येक गलत उत्तर पर 0.25 अंक की कटौती

परीक्षार्थियों हेतु सामान्य निर्देश (General Instructions)

- यह प्रश्न पुस्तिका सामान्य हिंदी विषय से संबंधित कुल 15 प्रश्नों पर आधारित है, जिसमें दो गद्यांश (बोध) तथा व्याकरण व साहित्य से संबंधित प्रश्न सम्मिलित हैं।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए चार विकल्प (A, B, C, D) दिए गए हैं, जिनमें से केवल एक ही विकल्प सही है। सही विकल्प का चयन कीजिए।
- प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक प्रदान किया जाएगा तथा प्रत्येक गलत उत्तर के लिए निर्धारित नियमानुसार ऋणात्मक (Negative) अंकन किया जाएगा।
- अनुत्तरित (Not Attempted) प्रश्नों के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा।
- परीक्षा प्रारंभ होने का संकेत मिलने से पहले प्रश्न पुस्तिका न खोलें।
- उत्तर पत्रक (OMR Sheet) पर केवल काले अथवा नीले बॉल पॉइंट पेन का ही प्रयोग करें।
- एक प्रश्न के लिए एक से अधिक विकल्प अंकित करने पर उस प्रश्न का उत्तर गलत माना जाएगा।
- रफ कार्य केवल प्रश्न पुस्तिका में दिए गए खाली स्थान पर ही करें।
- परीक्षा कक्ष में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर अथवा किसी भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण का प्रयोग पूर्णतः वर्जित है।
- इस अभ्यास सेट की उत्तरमाला एवं विस्तृत व्याख्या पुस्तिका के अंत में अलग पृष्ठ पर दी गई है; कृपया समस्त प्रश्न हल करने के उपरांत ही उसे देखें।

अभ्यर्थी विवरण (Candidate's Details)

नाम (Name): _____

अनुक्रमांक (Roll No.): _____ दिनांक (Date): _____

सेट संख्या (Set No.): 1

निर्देश (प्र. सं. 1 से 5): निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

सफलता का मार्ग सदैव परिश्रम से होकर जाता है। संसार में जितने भी महापुरुष हुए हैं, उन सबने अथक परिश्रम करके ही अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। बिना मेहनत के कोई भी लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता, चाहे व्यक्ति कितना भी प्रतिभाशाली क्यों न हो। प्रतिभा को निखारने के लिए निरंतर अभ्यास और समय का सदुपयोग अत्यंत आवश्यक है। जीवन में जो व्यक्ति समय का सदुपयोग करता है और निरंतर अभ्यास करता है, वही सफलता के शिखर पर पहुँचता है। इसके विपरीत, आलस्य मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु है। आलसी व्यक्ति अवसर आने पर भी उसका लाभ नहीं उठा पाता और जीवन भर पछताता रहता है। इतिहास इस बात का साक्ष्य है कि जिन लोगों ने विपरीत परिस्थितियों में भी हार नहीं मानी और निरंतर प्रयास करते रहे, वे ही अंततः सफलता प्राप्त करने में सफल हुए। अतः प्रत्येक विद्यार्थी और युवा को चाहिए कि वह आलस्य को त्यागकर परिश्रम का मार्ग अपनाए, क्योंकि यही सफलता की कुंजी है।

1. गद्यांश के अनुसार सफलता का मार्ग किससे होकर जाता है?

- A) आलस्य B) धन
C) परिश्रम D) भाग्य

2. मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु किसे बताया गया है?

- A) क्रोध B) आलस्य
C) लोभ D) मोह

3. सफलता के शिखर पर कौन पहुँचता है?

- A) जो भाग्य पर निर्भर रहता है B) जो दूसरों की निंदा करता है
C) जो समय का सदुपयोग और निरंतर अभ्यास करता है D) जो काम टालता है

4. बिना मेहनत के क्या प्राप्त नहीं किया जा सकता?

- A) लक्ष्य B) दुख
C) असफलता D) निराशा

5. 'सदुपयोग' शब्द का उचित विलोम क्या होगा?

- A) उपयोग B) दुरुपयोग
C) प्रयोग D) अनुपयोग

निर्देश (प्र. सं. 6 से 10): निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है, क्योंकि औद्योगीकरण और शहरीकरण की अंधी दौड़ में मनुष्य ने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन किया है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई से ग्लोबल वार्मिंग निरंतर बढ़ रही है, जिसके कारण मौसम चक्र असंतुलित हो रहा है और हिमनद तेज़ी से पिघल रहे हैं। कारखानों से निकलने वाला धुआँ और वाहनों का उत्सर्जन वायु को दिन-प्रतिदिन अधिक विषैला बना रहा है। यदि हमने अभी भी प्रकृति के साथ संतुलन नहीं बनाया, तो भविष्य में इसके विनाशकारी

परिणाम भुगतने होंगे, जिनमें बाढ़, सूखा और अकाल जैसी आपदाएँ सम्मिलित हैं। प्रदूषण कम करने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करना चाहिए। सरकार के साथ-साथ प्रत्येक नागरिक का भी यह नैतिक दायित्व है कि वह पर्यावरण की रक्षा के लिए अपने स्तर पर प्रयास करे, तभी हम आने वाली पीढ़ियों को एक स्वच्छ और सुरक्षित पृथ्वी सौंप पाएँगे।

6. आज की सबसे बड़ी आवश्यकता क्या है?

- A) तकनीकी विकास B) पर्यावरण संरक्षण
C) धन संचय D) औद्योगीकरण

7. ग्लोबल वार्मिंग का मुख्य कारण गद्यांश में क्या बताया गया है?

- A) प्रदूषण B) वृक्षों की अंधाधुंध कटाई
C) औद्योगीकरण D) जनसंख्या वृद्धि

8. प्रदूषण कम करने के लिए हमें क्या करना चाहिए?

- A) कारखाने बंद करने चाहिए B) अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए
C) शहरों से दूर जाना चाहिए D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. यदि प्रकृति के साथ संतुलन नहीं बनाया गया तो क्या होगा?

- A) विकास रुक जाएगा B) शांति स्थापित होगी
C) विनाशकारी परिणाम भुगतने होंगे D) कुछ नहीं होगा

10. 'विनाशकारी' शब्द में कौन सा प्रत्यय है?

- A) वि B) नाश
C) कारी D) री

11. 'अमृत' का उचित पर्यायवाची शब्द है:

- A) पीयूष B) विष
C) वारि D) गगन

12. 'आकाश' का विलोम शब्द है:

- A) अंबर B) पाताल
C) नभ D) शून्य

13. 'जो सब कुछ जानता हो' वाक्यांश के लिए एक शब्द है:

- A) अल्पज्ञ B) बहुज्ञ
C) सर्वज्ञ D) अज्ञ

14. 'आग में घी डालना' मुहावरे का सही अर्थ है:

- A) आग बुझाना B) क्रोध को और भड़काना
C) यज्ञ करना D) शांति स्थापित करना

15. प्रसिद्ध उपन्यास 'गोदान' किसकी रचना है?

- A) जयशंकर प्रसाद B) महादेवी वर्मा
C) मुंशी प्रेमचंद D) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

उत्तरमाला एवं विस्तृत व्याख्या — अभ्यास सेट 1

उत्तर कुंजी: 1-C 2-B 3-C 4-A 5-B 6-B 7-B 8-B 9-C 10-C 11-A 12-B 13-C 14-B 15-C

प्र. 1. उत्तर: (C)

गद्यांश की पहली पंक्ति में स्पष्ट रूप से बताया गया है कि सफलता का मार्ग परिश्रम से होकर जाता है।

प्र. 2. उत्तर: (B)

गद्यांश के अंतिम वाक्य के अनुसार आलस्य को मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु कहा गया है।

प्र. 3. उत्तर: (C)

गद्यांश में स्पष्ट है कि समय का सदुपयोग और अभ्यास करने वाला ही सफल होता है।

प्र. 4. उत्तर: (A)

बिना मेहनत के कोई भी 'लक्ष्य' प्राप्त नहीं किया जा सकता है।

प्र. 5. उत्तर: (B)

'सद्' (अच्छा) उपसर्ग का विलोम 'दुर' (बुरा) होता है, अतः सदुपयोग का विलोम दुरुपयोग होगा।

प्र. 6. उत्तर: (B)

गद्यांश की शुरुआत में ही पर्यावरण संरक्षण को सबसे बड़ी आवश्यकता बताया गया है।

प्र. 7. उत्तर: (B)

वृक्षों की अंधाधुंध कटाई को ग्लोबल वार्मिंग का कारण माना गया है।

प्र. 8. उत्तर: (B)

गद्यांश के अंत में प्रदूषण कम करने के लिए पेड़ लगाने की सलाह दी गई है।

प्र. 9. उत्तर: (C)

प्रकृति के साथ असंतुलन के विनाशकारी परिणाम भविष्य में भुगतने होंगे।

प्र. 10. उत्तर: (C)

मूल शब्द 'विनाश' है और इसमें 'कारी' (करने वाला) प्रत्यय लगा है।

प्र. 11. उत्तर: (A)

'अमृत' के पर्यायवाची पीयूष, सुधा, सोम आदि होते हैं।

प्र. 12. उत्तर: (B)

आकाश (ऊपर) का विपरीत अर्थ पाताल (नीचे) होता है।

प्र. 13. उत्तर: (C)

जो सब कुछ जानता हो उसे 'सर्वज्ञ' कहते हैं। अल्पज्ञ मतलब कम जानने वाला।

प्र. 14. उत्तर: (B)

जिस प्रकार घी आग को भड़काता है, उसी प्रकार इस मुहावरे का अर्थ क्रोध बढ़ाना होता है।

प्र. 15. उत्तर: (C)

'गोदान' हिंदी साहित्य के महान रचनाकार मुंशी प्रेमचंद का एक कालजयी उपन्यास है।